महत्वपूर्ण

संख्या–1070/सैंतीस–2–2023–1(49)/2017टी0सी0

प्रेषक,

डा0 रजनीश दुबे,
अपर मुख्य सचिव,
पशुधन, उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

1– समस्त जिलाधिकारी, उ0प्र0।

2– निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग, उ0प्र0।

पशुधन अनुभाग–2 लखनऊः: दिनांकः 27-अप्रैल, 2023

विषयः–प्रदेश में "मिशन मिलियन सेक्स्ड ए0आई0" अन्तर्गत माह मई, 2023 से मार्च, 2024 तक वर्गीकृत वीर्य के माध्यम से गोवंश में कृत्रिम गर्भाधान किये जाने के सम्बन्ध में

महोदय,

आप अवगत हैं कि दुग्ध उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर प्रदेश को आत्म निर्भर/निर्यातोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के साथ–साथ पशु विकास सम्बन्धित कार्यकम संचालित किये जा रहे हैं, जिसके अन्तर्गत पशु प्रजनन नीति 2022 से प्रभावी है, जिसे वर्ष 2018 में संशोधित किया गया है। इस नीति के अन्तर्गत गर्भाधान के माध्यम से नस्ल सुधार एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्गीकृत वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से गोवंश में उच्च गुणवत्तायुक्त लगभग 90 प्रतिशत मादा संततियों की प्राप्ति एवं निराश्रित नर वत्सों की संख्या को नियंत्रित करने तथा दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि कर पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ–साथ गोपालन प्रोत्साहन में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

2. उल्लेखनीय है कि शासनादेश संख्या–652/सैंतीस–2–2023–1(49)/2017, दिनांक 31.03.2023 द्वारा प्रदेश के समस्त जनपदों के पशुपालकों से सेक्स्ड सीमेन द्वारा कृत्रिम गर्भाधान कार्य के सापेक्ष प्रति गर्भाधान प्रति पशु रू0 100/– (एक सौ मात्र) लेवी के रूप में लिये जाने की व्यवस्था की गयी है।

3. "मिशन मिलियन सेक्स्ड ए0आई0" के अन्तर्गत प्रदेश के समस्त जनपदों के लिये जनपदवार वार्षिक एवं मासिक लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसकी प्रति संलग्न है। (संलग्न–1) उक्त के अतिरिक्त कार्यक्रम के समयबद्ध एवं सुचारू रूप से कियान्वयन हेतु कार्य योजना की प्रति संलग्न है। (संलग्नक–2)

4. उपर्युक्त सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया "मिशन मिलियन सेक्स्ड ए0आई0" के अन्तर्गत निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हेतु समयबद्ध रूप से आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराने तथा कृत कार्यवाही की सूचना निर्धारित प्रारूप पर (संलग्नक–3) पशुपालन निदेशालय को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्नकःयथोक्त।

भवदीय,
Signed by डा0 रजनीश दुबे
Date: 27-04-2023 13:51:38
Reason: Approved
(डा0 रजनीश दुबे)
अपर मुख्य सचिव।

संख्या–1070(1)/सैंतीस–2–2023 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1– अपर मुख्य सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0शासन।
2– स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन।
3– विशेष कार्याधिकारी, कृषि उत्पादन आयुक्त, उ0प्र0शासन।
4– निजी सचिव, मा0 पशुधन मंत्री, उ0प्र0।

5— समस्त मण्डलायुक्त, उ0प्र0।

6— मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उ0प्र0 पशुधन विकास परिषद, उ0प्र0 लखनऊ।

7— गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(देवेन्द्र कुमार पाण्डेय)
विशेष सचिव।

Annexure-1

उत्तर प्रदेश के गौवंशीय पशुओं में सेक्स्ड सीमेन के माध्यम से मिशन मिलियन सेक्स्ड ए0आई0 हेतु कार्य–योजना

(अवधि : माह मई 2023 से मार्च 2024 तक)

1. प्रस्तावना:

उत्तर प्रदेश में लगभग 70 प्रतिशत आबादी गाँवों में रहती है, जो अपनी आजीविका के लिए कृषि एवं पशुपालन पर आश्रित है। ग्रामीण क्षेत्र में पशुपालन का क्षेत्र उन चुनिन्दा क्षेत्रों में शामिल है जिसमें विकास दर अन्य क्षेत्रों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक है। पशुपालन द्वारा भूमिहीन श्रमिक, सीमान्त कृषक व महिलाओं को भी रोजगार का अवसर प्राप्त होता है। प्रदेश में कुल 190.20 लाख गोवंशीय व 330.18 लाख महिषवंशीय पशुओं में से कुल 242.48 लाख प्रजनन योग्य मादा पशु हैं, जिसमें 89.36 लाख प्रजनन योग्य स्वदेशीय मादा गोवंशीय व 153.12 लाख प्रजनन योग्य मादा महिषवंशीय पशु हैं (20वीं पशुगणना 2019)। पशुधन विकास कार्यक्रम मुख्य रूप से गुणवत्तायुक्त पशु प्रजनन पर आधारित है। उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन करने वाला प्रदेश है, परन्तु प्रति पशु दुग्ध उत्पादकता कम है। कम समय में अनुवांशिक उन्नयन के लिए कृत्रिम गर्भाधान एक सरल व सुगम तकनीकी है तथा पशु प्रजनन कार्यक्रम का मुख्य आधार भी है। अतः उच्च अनुवांशिक वीर्य के माध्यम से वृहद् स्तर पर पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान करते हुए उत्पादकता में वृद्धि की जा सकती है। वर्तमान में यह कार्य उ0प्र0 के 75 जनपदों में स्थित पशुचिकित्सालयों, पशुधन प्रसार अधिकारी केन्द्रों, 'डी' क्लास डिस्पेन्सरी, प्राईवेट कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता, (पशुमित्रों/मैत्री/पैरावेट, बायफ केन्द्रों/पी.सी.डी.एफ. व गैर सरकारी संगठनों–नमस्ते इण्डिया, ज्ञान डेयरी, आनन्दा डेयरी, दुग्ध उत्पादक संस्था, एक्सेल ब्रीडिंग, सहज आदि) के माध्यम से चलाया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में देश व प्रदेश में कृत्रिम गर्भाधान कार्य हेतु French Mini Straw (0.25ml) का ही प्रयोग मान्य है। प्रदेश में परिषद नियंत्रणाधीन अतिहिमीकृत वीर्य, उत्पादन केन्द्र बाबूगढ़, हापुड़ एवं रहमानखेड़ा, लखनऊ क्रियाशील हैं। तकनीकी विकास के साथ Animal Breeding, Biotechnology, Bio-medical Engineering के विषय विशेषज्ञों/वैज्ञानिकों द्वारा नर एवं मादा शुक्राणुओं को अलग करने की तकनीकी वर्ष 2004 में विकसित की गयी, जिससे किसानों/पशुपालकों को उनकी इच्छा के अनुसार नर अथवा मादा संतति की प्राप्ति हो सके। भारत में यह तकनीक वर्ष 2017 में प्रथम बार Genus Breeding India Pvt. Ltd a subsidiary unit of ABS Global inc, Wisconsin, USA द्वारा ग्राम भीलवड़ी, जिला सांगली, महाराष्ट्र में Brahma Dairy Genetics Facility के रूप में स्थापित की गयी। उक्त संस्था को 20–21 जनवरी, 2019 में लखनऊ में आयोजित U.P. Investor Summit में MOU होने के उपरान्त, Competitive Bidding के माध्यम से चयनित कर प्रदेश में अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र, बाबूगढ़ (हापुड़) में Sexed Semen Lab स्थापित कर स्वदेशी गोवंशीय प्रजाति के सांड़ों के वीर्य से वर्गीकृत वीर्य के उत्पादन हेतु अनुबन्धित किया गया। बाबूगढ़, में स्थापित Sexed Semen Lab द्वारा माह नवम्बर, 2019 से French Mini Straw-Sexed Semen (Pre-freeze: Approx. 2.1 Million progressively Motile Gender Skewed Sperm Cells per Straws, Zero hours post-thaw: Approx. 1.05 Million progressively Motile Gender Skewed Sperm Cells per Straws) का उत्पादन प्रारम्भ किया गया। इस प्रकार प्रदेश में French Mini Conventional Straws के साथ–साथ French Mini-Sexed Semen Straws का उत्पादन भी किया जा रहा है।

2. उद्देश्य

- नस्ल सुधार अंतर्गत गुणवत्तायुक्त उच्च प्रजाति के सांड़ों के वीर्य से निर्धारित मानक के अनुरूप उत्पादित French Mini -Sexed Semen Straws के प्रयोग से उच्चगुणवत्तायुक्त लगभग **90 प्रतिशत मादा संततियों** की प्राप्ति होगी, जिसके फलस्वरूप लगभग रू0 300 करोड़ का अतिरिक्त सकल मूल्यवर्धन होगा।
- प्रदेश में **बेसहारा/निराश्रित नरवत्सों की संख्या को नियंत्रित करना।**
- उच्च गुणवत्तायुक्त लगभग 90 प्रतिशत मादा संततियों की प्राप्ति से दुग्ध उत्पादन एवं पशु उत्पादकता में वृद्धि से प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाकर पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाते हुए उनकी आय में वृद्धि करना।
- प्रदेश में समस्त जनपदों में वर्गीकृत वीर्य के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान हेतु घटी हुई रू0 100/– की लेवी के क्रम में सेक्स्ड सीमेन के माध्यम से अद्यतन कृत कृत्रिम गर्भाधान आच्छादन को वर्ष के अंत तक बढ़ाकर पॉच गुना करना।

- ➢ उत्तर प्रदेश में स्वदेशीय गोवंश के दुग्ध उत्पादन की हिस्सेदारी बढ़ाते हुए देश में प्रदेश को प्रथम स्थान पर बनाए रखना।

3. योजना का स्वरूपः—

- ➢ योजना पूर्णतः नवीन तकनीकी पर आधारित है, जिसमें माइक्रोफ्लूडिक व लेजर तकनीक के माध्यम से वीर्य में उपस्थित एक्स (X) और वाई (Y) क्रोमोसोमधारक शुक्राणुओं को चिन्हित किया जाता है। तत्पश्चात् लेजर विधि द्वारा वाई (Y) क्रोमोसोमधारक शुक्राणुओं को मृत कर दिया जाता है, जिससे वीर्य में **मुख्यतः एक्स (X) क्रोमोसोमधारक शुक्राणु ही जीवित रहते हैं।**
- ➢ योजना प्रदेश के समस्त (75) जनपदों में भारतीय गोवंश प्रजातियों के गोवंशीय पशुओं में ही सेक्स्ड सीमेन के प्रयोग द्वारा संचालित की जा रही है।
- ➢ शासनादेश–652/सैंतीस–2–2023–1(49)/2017, दिनांक 31 मार्च, 2023 द्वारा पूर्व में निर्गत शासनादेश संख्या–4128/सैंतीस–2–2018–1(49)/2017 दिनांक 07.12.2018 के प्रस्तर–7 (ख) प्रक्रिया (3), (4) एवं (15) में निम्नानुसार संशोधन करते हुए **"प्रदेश के समस्त जनपदों के पशुपालकों को प्रोत्साहित करने हेतु सेक्स्ड सीमेन द्वारा कृत्रिम गर्भाधान कार्य के सापेक्ष प्रति गर्भाधान प्रति पशु रू0 100/– (रूपये एक सौ मात्र) पशुपालकों से लिये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।**
- ➢ मिशन अन्तर्गत लक्ष्य का आवंटन जनपदवार प्रजनन योग्य पशुओं एवं Seasonality/ऋतुकाल के दृष्टिगत किया गया है।
- ➢ लक्ष्य के सापेक्ष वर्गीकृत वीर्य स्ट्राज को सम्बन्धित जोनल केन्द्रों पर पाँच चरणों में उपलब्ध कराया जायेगा।
- ➢ योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु निर्धारित प्रारूप पर प्रदेश के समस्त जनपदों से साप्ताहिक सूचना का संकलन एवं विश्लेषण किया जायेगा, जिसकी परिषद मुख्यालय स्तर पर **L5** एवं **L4** आई0डी0 वार साप्ताहिक समीक्षा अनिवार्य की जायेगी।
- ➢ परिषद मुख्यालय पर एक हेल्पलाइन नम्बर एवं ई–मेल की व्यवस्था की जायेगी, जिस पर क्षेत्र से फीडबैक लिया जायेगा।
- ➢ वर्गीकृत वीर्य के माध्यम से कृत कृत्रिम गर्भाधान का विवरण इनाफ पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अंकित करने हेतु मुख्यालय पर मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया जायेगा।
- ➢ वार्षिक लक्ष्य को **L4** आई0डी0 वार एवं **L5** आई0डी0 वार निर्धारित करते हुए 10 मई, 2023 तक परिषद मुख्यालय को अवगत कराया जायेगा।

4. **पशुओं का चयनः**—ऐसे पशुओं का चयन करना चाहिए जिसमें 12 अंकीय यू0ए0आई0डी0 टैग लगा हो अथवा चयनोपरान्त उन्हें उक्त टैग से टैगिंग करना अनिवार्य है। अच्छे हेल्थ स्कोर तथा पोषण वाले पशुओं का ही चयन होना चाहिए। चयनित पशु की कोई रिपीट ब्रीडिंग (Repeat Breeding), आर0ओ0पी0 (ROP) गर्भपात(Abortion) का इतिहास (History) नहीं होना चाहिए। चयनित पशु का समय–समय पर डिवर्मिंग एवं वैक्सीनेशन होना चाहिए। चयनित पशु का बीमा कराया जाना उचित होगा।

✓ **बछियाः—**

1. बछिया (हीफर) का चयन करते समय यह ध्यान रखें कि वह 13 माह या उससे अधिक उम्र की हो तथा कृत्रिम गर्भाधान से पहले कम से कम दो मदकाल पूर्ण कर चुकी हो।
2. न्यूनतम 200–300 कि0ग्रा0 या प्रौढ़ शरीर के वजन का 60–70% वजन पूर्ण कर चुकी हो।
3. शरीर के वजन के हिसाब से प्रजनन करायें, आयु के हिसाब से नहीं।

✓ **गायः—**

- ➢ तीसरे ब्यांत तक की गाय वर्गीकृत वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान हेतु सबसे उपयुक्त होती है।
- ➢ गाय स्वस्थ होनी चाहिए तथा नियमित रूप से वह मदकाल (हीट) में आनी चाहिए।
- ➢ वर्गीकृत वीर्य को कठिन प्रसव (Dystocia) व गर्भाशय में संक्रमण से ग्रसित पशुओं में इस्तेमाल न करें।
- ➢ ज्यादा गर्मी और ज्यादा आर्द्रता के कारण हाँफने वाले पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान न करें।
- ➢ किसी रिपीट ब्रीडर में वर्गीकृत वीर्य का इस्तेमाल न करें।
- ➢ कमजोर पशुओं में वर्गीकृत वीर्य का इस्तेमाल न करें।

5. पशुओं को वर्गीकृत वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान हेतु तैयार करनाः–

- सुनिश्चित करें कि नियमित अंतराल पर पशु को पेट के कीड़े मारने की दवा दी जाती है।
- सुनिश्चित करें कि चयनित पशु का समय–समय पर वैक्सीनेशन किया गया हो।
- कृत्रिम गर्भाधान से पहले कम से कम 30 दिनों की अवधि के लिए **पशु को गुणवत्तायुक्त मिनरल व विटामिन का मिश्रण खिलाएँ।**
- गायों में अधिकतम गर्भाधान प्राप्त करने के लिए मदकाल समकालीकरण (Estrous Synchronization) किया जा सकता है/करना उचित होगा।
- अधिक जानकारी के लिए स्थानीय पशु चिकित्सक से परामर्श लें।

6. गर्भाधान प्रक्रियाः–

- क्षेत्रीय उपमुख्य पशुचिकित्साधिकारी/पशुचिकित्साधिकारी/पशुधन प्रसार अधिकारी/फार्मासिस्ट/ड्रेसर/कुशल एवं अनुभवी मैत्री अथवा पशुमित्रों बायफ/अन्य गैर सरकारी संस्थाओं (NGO) आदि के माध्यम से योजना का क्रियान्वयन।
- हीट के लक्षणों की सही पहचान करें (स्थायी मदकाल, बेचैनी, अन्य जानवर द्वारा जननागों का सूँघना, आदि)। संदेह की स्थिति में कुशल परामर्श लें।
- गर्भाधान हेतु उचित समय स्टैंडिंग हीट के 6–8 घंटे के अन्दर अथवा हीट प्रारम्भ होने के 16–18 घंटे बाद।
- सेक्स्ड सीमेन स्ट्रा को हमेशा तरल नत्रजन (LN2) कंटेनर में ही भण्डारित व ट्रांसपोर्ट करें। उक्त कंटेनर को **नीले रंग** से चिन्हित करें तथा "Sexed Semen-Handle with Care" लिखवायें।
- सांड के नाम वाले गॉब्लेट में मार्कर स्ट्रिप की सहायता से वीर्य स्ट्रॉ की पहचान करें तथा स्ट्रॉ को फ्रॉस्ट लाइन से ऊपर न उठाएँ।
- स्ट्रॉ को तरल नत्रजन पात्र से बाहर निकालने के लिए फॉरसेप का प्रयोग करना चाहिए तथा स्ट्रॉ निकालने से पहले फॉरसेप को तरल नत्रजन की वाष्प से ठंडा कर लेना चाहिए।
- थाईंग हेतु एक बार में केवल एक स्ट्रॉ का ही प्रयोग करना चाहिए। थाईंग हेतु पानी का तापमान 37^0C तक होने की जाँच करने के लिए थाईंग मॉनिटर का इस्तेमाल करें।
- ठीक 37 डिग्री सेंटीग्रेड पर 30 सेकंड के लिए थॉइंग की जाय।
- स्ट्रॉ को टिशू पेपर/पेपर टॉवेल से साफ करना चाहिए।
- 90 डिग्री पर स्ट्रॉ काटने के लिए स्ट्रा कटर या साफ कैंची का प्रयोग करें तथा थाईंग के बाद जितनी जल्दी हो सके गर्भाधान करें।
- ए0आई0 गन को सावधानी से लोड करें और धीरे–धीरे वीर्य को गर्भाशय के शरीर में जमा करें।
- वीर्य को हमेशा गर्भाशय में निक्षेप (Deposit) करें एवं वीर्य को गर्भाशय ग्रीवा अथवा गर्भाशय–फैलोपियन संधि में रखने से बचें साथ ही ओवरी को छूने से बचें।
- प्रजनन के इतिहास (History) की जानकारी को अवश्य रिकार्ड करें।
- कृत्रिम गर्भाधान के बाद, यह अनुशंसा की जाती है कि जानवर लगभग 2 घंटे तक न बैठे।
- कृत्रिम गर्भाधान लेवी की रसीद प्राप्ति खाली सीमेन स्ट्रा के साथ पशुपालक को अवश्य दें एवं संभाल कर रखने के लिए सलाह दें।

7. कार्ययोजना/प्रचार–प्रसार

- योजना क्रियान्वयन हेतु प्रेस विज्ञप्ति देना।
- Information, Education & Communication (IEC) कार्यक्रम/बैठकें आयोजित करना।
- अभियान अवधि में कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं हेतु ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किया जाना एवं पूर्व में उनके द्वारा किये गये सफल कृत्रिम गर्भाधान के आधार पर कुशल मैत्री को चयनित करना।
- प्रत्येक कृत्रिम गर्भाधान को INAPH पर कार्यकर्ता की यूजर आई0डी0 पर ही अपलोड कराना तथा साथ ही साथ फालोअप (गर्भ परीक्षण–+ve अथवा–ve) एवं आगे के कार्यक्रम अर्थात उत्पन्न संतति, नर अथवा मादा संतति का INAPH पर ससमय अंकन किया जाना।
- अभियान अंतर्गत जनपद स्तरीय बैठक में तथा भ्रमण के समय ग्राम स्तर पर जनप्रतिनिधियों को योजना के संबन्ध में तथा कृत कार्य से अवगत कराया जाना।
- सप्लाई चेन एवं सीमेन गुणवत्ता का सघन अनुश्रवण करना।
- जनपदीय नोडल अधिकारी को बाबूगढ़ प्रयोगशाला का Exposure visit कराना।

- एम0वी0यू0 में स्टीकर एवं आडियो विजुअल के माध्यम से प्रचार–प्रसार।
- अभियान अन्तर्गत प्रत्येक जनपद के **L5** एवं सम्बन्धित **L4** को आई0डी0 वार इनाफ पर अपलोडेड डाटा की त्रैमासिक प्रगति के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाना।
- फ्रेंच मिनी स्ट्रा (सेक्सड सीमेन) से कृत्रिम गर्भाधान की मानक पद्धति समस्त पशु चिकित्सालयों एवं पशु सेवा केन्द्रों पर पोस्टर/बैनर के माध्यम से प्रचारित करना।
- रिकार्ड कीपिंग हेतु वर्गीकृत वीर्य रजिस्टर एवं लेवी प्राप्ति रसीद बुक उपलब्ध कराना।
- जनपद स्तर पर **"मिशन मिलियन सेक्स्ड ए0आई0"** अभियान से जिलाधिकारी को अवगत कराते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से उनके निर्देशानुसार/सहमति अनुसार जनपदीय कार्ययोजना विकसित कराया जाना तथा कृत्रिम गर्भाधान कार्य से जुड़ी संस्थाओं के प्रभारी को भी उक्त कार्य हेतु निर्देशित किया जाय उक्त के साथ–साथ व्यापक प्रचार–प्रसार के दृष्टिगत वर्गीकृत वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान सुविधा कार्यक्रम से जनमानस को अवगत कराने हेतु समस्त प्रयास सुनिश्चित कराया जाना।

इनाफ (INAPH) पोर्टल पर डेटा अपलोड हेतु आवश्यक दिशा निर्देश

इनाफ **(INAPH-Information Network on Animal Productivity & Health)** पोर्टल, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के तत्वाधान में NDDB (National Dairy Development Board) द्वारा विकसित किया गया है। इस सूचना तंत्र को इस उद्देश्य से विकसित किया गया है कि पशु स्वास्थ्य, पशु प्रजनन, पशु पोषण आदि से सम्बन्धित सूचनाओं को उचित प्रकार से संकलित किया जा सके जिससे उसका उपयोग समस्त हितधारकों द्वारा समय पर किया जा सके एवं उनकी सहायता से पशु उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि की जा सके। इनाफ को प्रयोग में लाने हेतु पशु पंजीकरण (UAID टैग के माध्यम से) प्रथमतः अनिवार्य चरण है।

इनाफ पोर्टल पर पशु पंजीकरण (Animal Registration) के पश्चात् पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न Modules यथा Breeding (AI Delivery) Module, Progeny Testing Module, Nutrition & Ration Balancing Module, Health Module, Lab Analysis & Examination Module एवं Stock Management Module के अनुसार की जाने वाली गतिविधियों को सम्बन्धित Module के अंतर्गत अपलोड किया जाता है।

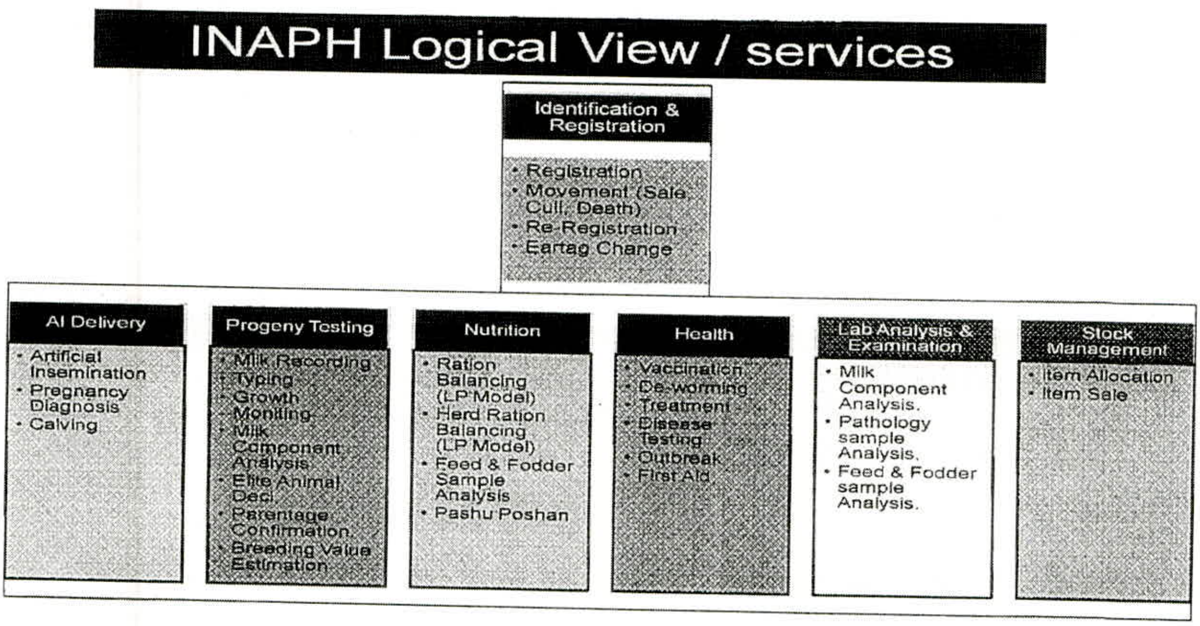

वर्तमान में प्रदेश में पशु पालन विभाग के माध्यम से केवल 2 Module यथा **Breeding (AI Delivery Module** एवं **Health Module** ही प्रचलन एवं प्रयोग में लाये जा रहे हैं।

इनाफ के अंतर्गत NDDB द्वारा प्रत्येक Module में 5–स्तरीय संगठनात्मक पदानुक्रम (Organization Hierachy), दायित्व (Role), सूचना प्रेषण (Reporting), एवं कार्यक्षेत्र (Area of Operation), पूर्व निर्धारित किये गये हैं, जो कि निम्नवत है:–

1.) **पशु प्रजनन (Breeding Module)**: इस Module के अंतर्गत इनाफ पोर्टल पर पशु पंजीकरण, कृत्रिम गर्भाधान, गर्भ परीक्षण एवं पशु ब्यांत (Calving) सम्बंधित डेटा को अपलोड किया जाता है।

2.) उक्त योजनान्तर्गत वर्गीकृत वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान हेतु इनाफ पर डाटा अपलोड करने के लिए कृत्रिम गर्भाधान के सामान्य/ए0बी0आई0पी0 एस0एस0/सेक्स्ड सीमेन में से अनिवार्य रूप से **सेक्स्ड सीमेन का ही चुनाव किया जाये।**

Level	Breeding Module	Role	Area of Operation
1	CEO	To monitor & analyze the information uploaded in INAPH	State Level
2	Reg. Manager/Add. Dir.		Cluster of Districts
3	Area Coordinator/CVO/JD		District
4	Supervisor/DyCVO/VO		Tehsil/Block
5	**AI Technician** (DyCVO/VO/LEO/Paravet/BAIF or any other NGO Service Provider)	To perform the Breeding related activities in allocated villages & upload it in INAPH using Main app ***(online mode)***/Android App***(offline mode)***	Allocated villages (To be allocated at the time of **Master Creation** through Admin App)

ब्रीडिंग माड्यूलः प्रदेश में प्रस्तावित लेवलवार तुलनात्मक चार्ट

लेवल	ब्रीडिंग
प्रथम	मुख्य कार्यकारी अधिकारी
द्वितीय	अपर निदेशक
तृतीय	मुख्य पशु चिकित्साधिकारी
चतुर्थ	उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी/पशुचिकित्साधिकारी
पंचम	कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता ⬇ उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी/पशुचिकित्साधिकारी/पशुधन प्रसार अधिकारी/वेटेरिनरी फार्मासिस्ट/पैरावेट्स/बायफ एवं अन्य संस्था के कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता

- **Breeding Module** में चूँकि कृत्रिम गर्भाधान, गर्भ परीक्षण आदि कार्य उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी/पशुचिकित्साधिकारी/पशुधन प्रसार अधिकारी/वेटेरिनरी फार्मासिस्ट/पैरावेट्स/बायफ कार्यकर्ता आदि द्वारा सम्पादत किया जाता है अतः उपरोक्त सभी द्वारा स्तर–5 के सापेक्ष दायित्वों का निर्वहन करते हुए सम्बन्धित डेटा को इनाफ पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा।
- स्तर–5 पर स्थित AI Technician का तात्पर्य पद से न होकर उनके द्वारा सम्पादित किये जा रहे कार्यों से है।

INAPH Portal पर डेटा अपलोड करते समय निम्न बिन्दुओं को ध्यान रखा जाना चाहिए:

- इनाफ पोर्टल पर अपलोड करने के लिए केवल उसी **AI Technician** की यूजर आइडी का उपयोग किया जायेगा।
- पशु पंजीकरण की प्रक्रिया इनाफ पोर्टल पर केवल एक बार डी अपलोड की जाएगी, चाहे वह किसी भी Module/संस्था/कार्यक्रम के अंतर्गत की गयी हो।
- इनाफ पोर्टल पर किसी भी Module के अंतर्गत की गयी गतिविधियों को स्तर–5 की यूजर आइडी के माध्यम से ही, उनके आवंटित कार्यक्षेत्र (Allocated Villages) के अनुसार, अपलोड किया जा सकेगा।
- इनाफ पोर्टल के अंतर्गत ADMIN APP के माध्यम से किसी भी स्तर–5 के यूजर आई0डी० के आवंटित कार्य क्षेत्र (Allocated Villages) में आवश्यकतानुसार कभी भी परिवर्तन (घटाना/बढ़ाना) अथवा पुनः निर्धारण किया जा सकता है। उक्त परिवर्तन मुख्य पशुचिकित्साधिकारी द्वारा व उनके द्वारा नामित नोडल अधिकारी के स्तर से पूर्व में किये गए (Master Creation) की भांति किया जा सकता है।

Annexure-II

गोवंशीय पशुओं में वर्गीकृत वीर्य के उपयोग की योजना (रा0यो0) अन्तर्गत वर्ष 2023–24 के लिए माहवार कृत्रिम गर्भाधान हेतु भौतिक लक्ष्य

मण्डल का नाम	जनपद का नाम	प्रजनन योग्य स्वदेशी गोवंशीय पशुओं की संख्या	मई 24	जून 24	जुलाई 24	अगस्त 24	सितम्बर 24	अक्टूबर 24	नवम्बर 24	दिसम्बर 24	जनवरी 25	फरवरी 25	मार्च 25	योग
गोरखपुर	गोरखपुर	42616	435	435	650	650	650	870	870	870	660	580	580	7250
	देवरिया	38239	390	390	585	585	585	780	780	780	585	520	520	6500
	कुशीनगर	24931	255	255	380	380	380	510	510	510	390	340	340	4250
	महाराजगंज	11985	120	120	185	185	185	245	245	245	190	165	165	2050
मण्डल योग		**117771**	**1200**	**1200**	**1800**	**1800**	**1800**	**2405**	**2405**	**2405**	**1825**	**1605**	**1605**	**20050**
बस्ती	बस्ती	25497	260	260	390	390	390	520	520	520	390	355	355	4350
	सिद्धार्थनगर	31147	320	320	475	475	475	635	635	635	475	425	430	5300
	सन्तकबीरनगर	13008	130	130	200	200	200	265	265	265	200	175	170	2200
मण्डल योग		**69652**	**710**	**710**	**1065**	**1065**	**1065**	**1420**	**1420**	**1420**	**1065**	**955**	**955**	**11850**
देवीपाटन	गोण्डा	131159	1340	1340	2010	2010	2010	2680	2680	2680	2010	1795	1795	22350
	बलरामपुर	64077	655	655	980	980	980	1310	1310	1310	980	870	870	10900
	श्रावस्ती	59599	610	610	910	910	910	1220	1220	1220	910	820	810	10150
	बहराइच	144584	1480	1480	2220	2220	2220	2960	2960	2960	2220	1970	1960	24650
मण्डल योग		**399419**	**4085**	**4085**	**6120**	**6120**	**6120**	**8170**	**8170**	**8170**	**6120**	**5455**	**5435**	**68050**
आगरा	आगरा	80781	825	825	1240	1240	1240	1650	1650	1650	1230	1100	1100	13750
	फिरोजाबाद	38922	400	400	600	600	600	800	800	800	590	530	530	6650
	मथुरा	86059	880	880	1320	1320	1320	1760	1760	1760	1310	1170	1170	14650
	मैनपुरी	29071	295	295	445	445	445	595	595	595	450	395	395	4950
मण्डल योग		**234833**	**2400**	**2400**	**3605**	**3605**	**3605**	**4805**	**4805**	**4805**	**3580**	**3195**	**3195**	**40000**
अलीगढ़	अलीगढ़	76687	785	785	1175	1175	1175	1565	1565	1565	1170	1045	1045	13050
	हाथरस	38842	395	395	595	595	595	790	790	790	595	530	530	6600
	एटा	18977	195	195	290	290	290	390	390	390	300	260	260	3250
	कासगंज	23921	245	245	370	370	370	490	490	490	370	330	330	4100
मण्डल योग		**158427**	**1620**	**1620**	**2430**	**2430**	**2430**	**3235**	**3235**	**3235**	**2435**	**2165**	**2165**	**27000**
मुरादाबाद	मुरादाबाद	42303	430	430	650	650	650	865	865	865	650	575	570	7200
	रामपुर	29735	305	305	455	455	455	605	605	605	450	405	405	5050
	अमरोहा	51263	525	525	785	785	785	1050	1050	1050	795	700	700	8750
	बिजनौर	71697	730	730	1100	1100	1100	1465	1465	1465	1100	975	970	12200
	संभल	56634	580	580	870	870	870	1155	1155	1155	875	770	770	9650
मण्डल योग		**251632**	**2570**	**2570**	**3860**	**3860**	**3860**	**5140**	**5140**	**5140**	**3870**	**3425**	**3415**	**42850**
बरेली	बरेली	88760	905	905	1360	1360	1360	1810	1810	1810	1360	1210	1210	15100
	पीलीभीत	55696	570	570	855	855	855	1140	1140	1140	855	760	760	9500
	बदाँयू	84381	865	865	1295	1295	1295	1730	1730	1730	1295	1150	1150	14400
	शाहजहाँपुर	113977	1165	1165	1745	1745	1745	2330	2330	2330	1745	1550	1550	19400

क्र0 सं1	मण्डल का नाम	जनपद का नाम	प्रजनन योग्य स्वदेशी गोवंशीय पशुओं की संख्या	मई 24	जून 24	जुलाई 24	अगस्त 24	सितम्बर 24	अक्टूबर 24	नवम्बर 24	दिसम्बर 24	जनवरी 25	फरवरी 25	मार्च 25
	मण्डल योग		**342814**	**3505**	**3505**	**5255**	**5255**	**5255**	**7010**	**7010**	**7010**	**5255**	**4670**	**4670**
29	सहारनपुर	सहारनपुर	46412	475	475	710	710	710	950	950	950	710	630	630
30		मुजफ्फरनगर	24666	250	250	380	380	380	500	500	500	380	340	340
31		शामली	11143	115	115	170	170	170	230	230	230	170	150	150
	मण्डल योग		**82221**	**840**	**840**	**1260**	**1260**	**1260**	**1680**	**1680**	**1680**	**1260**	**1120**	**1120**
32	मेरठ	मेरठ	24156	250	250	375	375	375	500	500	500	365	330	330
33		बागपत	20368	205	205	310	310	310	415	415	415	315	275	275
34		गाजियाबाद	11605	120	120	180	180	180	240	240	240	180	160	160
35		हापुड़	16834	170	170	260	260	260	340	340	340	255	230	225
36		बुलंदशहर	66490	680	680	1010	1010	1010	1360	1360	1360	1020	905	905
37		गौतमबुद्ध नगर	21917	220	220	330	330	330	450	450	450	330	295	295
	मण्डल योग		**161370**	**1645**	**1645**	**2465**	**2465**	**2465**	**3305**	**3305**	**3305**	**2465**	**2195**	**2190**
38	झांसी	झांसी	101870	1040	1040	1560	1560	1560	2085	2085	2085	1560	1390	1385
39		ललितपुर	163282	1670	1670	2500	2500	2500	3340	3335	3335	2500	2225	2225
40		जालौन	93881	960	960	1440	1440	1440	1920	1920	1920	1440	1280	1280
	मण्डल योग		**359033**	**3670**	**3670**	**5500**	**5500**	**5500**	**7345**	**7340**	**7340**	**5500**	**4895**	**4890**
41	चित्रकूट	हमीरपुर	61942	635	635	960	960	960	1270	1270	1270	960	840	840
42		महोबा	62839	640	640	960	960	960	1280	1280	1280	960	870	870
43		बांदा	89475	915	915	1370	1370	1370	1830	1830	1830	1380	1220	1220
44		चित्रकूट	116717	1195	1195	1790	1790	1790	2390	2390	2390	1790	1590	1590
	मण्डल योग		**330973**	**3385**	**3385**	**5080**	**5080**	**5080**	**6770**	**6770**	**6770**	**5090**	**4520**	**4520**
45	कानपुर	कानपुर नगर	66019	675	675	1010	1010	1010	1350	1350	1350	1020	900	900
46		कानपुर देहात	65069	665	665	1000	1000	1000	1330	1330	1330	980	900	900
47		कन्नौज	95602	980	980	1460	1460	1460	1970	1970	1960	1460	1300	1300
48		औरैया	40655	415	415	620	620	620	830	820	830	615	560	555
49		फर्रूखाबाद	33266	340	340	510	510	510	675	675	675	515	450	450
50		इटावा	33620	340	340	515	515	515	690	680	680	515	455	455
	मण्डल योग		**334231**	**3415**	**3415**	**5115**	**5115**	**5115**	**6845**	**6825**	**6825**	**5105**	**4565**	**4560**
51		प्रयागराज	178967	1830	1830	2745	2745	2745	3660	3660	3660	2745	2440	2440
52		प्रतापगढ़	225267	2305	2305	3460	3460	3460	4600	4600	4600	3460	3075	3075
53		फतेहपुर	53099	545	545	815	815	815	1085	1085	1085	810	725	725
54		कौशाम्बी	59688	610	610	915	915	915	1220	1220	1220	905	810	810
	मण्डल योग		**517021**	**5290**	**5290**	**7935**	**7935**	**7935**	**10565**	**10565**	**10565**	**7920**	**7050**	**7050**
55		अयोध्या	94413	955	955	1450	1450	1450	1940	1940	1940	1450	1285	1285
56		अमेठी	116128	1190	1190	1780	1780	1780	2375	2375	2375	1780	1590	1585
57	अयोध्या	बाराबंकी	131730	1345	1345	2015	2015	2015	2700	2700	2700	2020	1800	1795

मण्डल का नाम	जनपद का नाम	प्रजनन योग्य स्वदेशी गोवंशीय पशुओं की संख्या	मई 24	जून 24	जुलाई 24	अगस्त 24	सितम्बर 24	अक्टूबर 24	नवम्बर 24	दिसम्बर 24	जनवरी 25	फरवरी 25	मार्च 25	योग
	अम्बेडकरनगर	56065	570	570	860	860	860	1145	1145	1145	860	770	765	9550
	सुल्तानपुर	107699	1100	1100	1650	1650	1650	2200	2200	2200	1650	1475	1475	18350
मण्डल योग		**506035**	**5160**	**5160**	**7755**	**7755**	**7755**	**10360**	**10360**	**10360**	**7760**	**6920**	**6905**	**86250**
लखनऊ	हरदोई	166196	1700	1700	2550	2550	2550	3390	3390	3390	2550	2265	2265	28300
	खीरी	159474	1630	1630	2445	2445	2445	3250	3260	3260	2445	2170	2170	27150
	रायबरेली	152775	1560	1560	2340	2340	2340	3120	3120	3120	2340	2080	2080	26000
	उन्नाव	118028	1205	1205	1810	1810	1810	2410	2410	2410	1810	1610	1610	20100
	लखनऊ	80519	825	825	1230	1230	1230	1640	1640	1640	1240	1100	1100	13700
	सीतापुर	187002	1910	1910	2870	2870	2870	3820	3820	3820	2870	2545	2545	31850
मण्डल योग		**863994**	**8830**	**8830**	**13245**	**13245**	**13245**	**17630**	**17640**	**17640**	**13255**	**11770**	**11770**	**147100**
वाराणसी	वाराणसी	62634	640	640	960	960	960	1280	1280	1280	950	850	850	10650
	गाजीपुर	130405	1330	1330	2000	2000	2000	2665	2665	2665	1995	1775	1775	22200
	चन्दौली	84724	865	865	1300	1300	1300	1735	1735	1735	1305	1155	1155	14450
	जौनपुर	174123	1780	1780	2670	2670	2670	3555	3555	3555	2675	2370	2370	29650
मण्डल योग		**451886**	**4615**	**4615**	**6930**	**6930**	**6930**	**9235**	**9235**	**9235**	**6925**	**6150**	**6150**	**76950**
आजमगढ़	आजमगढ़	109465	1115	1115	1680	1680	1680	2240	2240	2240	1680	1490	1490	18650
	मऊ	53363	550	550	820	820	820	1090	1090	1090	810	730	730	9100
	बलिया	103261	1055	1055	1585	1585	1585	2110	2110	2110	1585	1410	1410	17600
मण्डल योग		**266089**	**2720**	**2720**	**4085**	**4085**	**4085**	**5440**	**5440**	**5440**	**4075**	**3630**	**3630**	**45350**
मिर्जापुर	मिर्जापुर	152360	1555	1555	2335	2335	2335	3115	3115	3115	2340	2075	2075	25950
	भदोही	76889	785	785	1180	1180	1180	1575	1575	1575	1175	1045	1045	13100
	सोनभद्र	194143	1985	1985	2975	2975	2975	3965	3965	3965	2970	2645	2645	33050
मण्डल योग		**423392**	**4325**	**4325**	**6490**	**6490**	**6490**	**8655**	**8655**	**8655**	**6485**	**5765**	**5765**	**72100**
महायोग सम्पूर्ण उ0प्र0		**5870793**	**59985**	**59985**	**89995**	**89995**	**89995**	**120015**	**120000**	**120000**	**89990**	**80050**	**79990**	**1000000**

सुपरवाइजर (L4) की अध्यक्षता में (L5) की साप्ताहिक (प्रत्येक सोमवार) समीक्षा/अनुश्रवण का प्रारूप

क्र0 सं0	L5–पद का नाम (स्वयं/पशुधन प्रसार अधिकारी/फार्मासिस्ट/ड्रेसर/मैत्री/पैरावेट्स)	वाट्सएप मो0नं0	कृ0ग0 केन्द्र का नाम व पूरा पता	L5–की आई0डी0	L5–का आई0डी0 वार लक्ष्य	आच्छादित राजस्व ग्राम का नाम	आच्छादित राजस्व ग्रामों की आई0डी0	आच्छादित गोवंश की संख्या	पिछले शनिवार तक (क्रमिक) प्रथम कृत्रिम गर्भाधान की इनाफ पोर्टल पर अपलोडेड संख्या	पिछले शनिवार तक (क्रमिक) द्वितीय कृत्रिम गर्भाधान की इनाफ पोर्टल पर अपलोडेड संख्या	पिछले शनिवार तक (क्रमिक) तृतीय कृत्रिम गर्भाधान की इनाफ पोर्टल पर अपलोडेड संख्या	पिछले शनिवार तक (क्रमिक) गर्भपरीक्षण की इनाफ पोर्टल पर अपलोडेड संख्या	पिछले शनिवार तक (क्रमिक) उत्पन्न संतति की इनाफ पोर्टल पर अपलोडेड संख्या	पिछले श (क्रमिक) मादा सं इनाफ पं अपलोडे
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	

मुख्य पशुचिकित्साधिकारी/नोडल अधिकारी (L3) की अध्यक्षता में (L4) की साप्ताहिक (प्रत्येक बुधवार) समीक्षा/अनुश्रवण का प्रारूप

क्र0 स0	L4–पद का नाम (उपमुख्य पशुचिकित्साधिकारी/ पशु चिकित्साधिकारी)	वाट्सएप मो0नं0	पदस्थापना	कुल राजस्व ग्रामो की संख्या	प्रजनन योग्य गोवंशीय पशुओं की संख्या	सक्रिय L4 आई0डी0	सक्रिय L5 आई0डी0	पिछले शनिवार तक (क्रमिक) उपलब्ध वर्गीकृत वीर्य स्ट्राज की संख्या	L4 द्वारा सत्यापित पिछले शनिवार तक (क्रमिक) किये गये कृत्रिम गर्भाधान की इनाफ पोर्टल पर अपलोडेड संख्या	पिछले शनिवार तक (क्रमिक) गर्भपरीक्षण की इनाफ पोर्टल पर अपलोडेड संख्या	पिछले शनिवार तक (क्रमिक) उत्पन्न संतति की इनाफ पोर्टल पर अपलोडेड संख्या	पिछले शनिवार तक (क्रमिक) उत्पन्न मादा संतति की इनाफ पोर्टल पर अपलोडेड संख्या	पिछले शनिवार तक (क्रमिक) आच्छादित पशुपालकों की संख्या	आच्छा ग्रामों
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	

मुख्य कार्यकारी अधिकारी (L1) की अध्यक्षता में नोडल अधिकारियों/(L3) की साप्ताहिक (प्रत्येक शुक्रवार) समीक्षा/अनुश्रवण का प्रारूप

क्र0 सं0	L3–पद का नाम (मुख्य पशुचिकित्साधिकारी/ नोडल अधिकारी)	वाट्सएप मो0नं0	जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्रामों की संख्या	प्रजनन योग्य गोवंशीय पशुओं की संख्या	सक्रिय L4 आई0डी0	सक्रिय L5 आई0डी0	पिछले शनिवार तक (क्रमिक) उपलब्ध वर्गीकृत स्ट्राज की संख्या	L4 द्वारा सत्यापित पिछले शनिवार तक (क्रमिक) किये गये कृत्रिम गर्भाधान की इनाफ पोर्टल पर अपलोडेड संख्या	पिछले शनिवार तक (क्रमिक) गर्भपरीक्षण की इनाफ पोर्टल पर अपलोडेड संख्या	पिछले शनिवार तक (क्रमिक) उत्पन्न संतति की इनाफ पोर्टल पर अपलोडेड संख्या	पिछले शनिवार तक (क्रमिक) उत्पन्न मादा संतति की इनाफ पोर्टल पर अपलोडेड संख्या	पिछले शनिवार तक (क्रमिक) आच्छादित पशुपालकों की संख्या	कुल राजस्व
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	